

**The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Supply (Shri Iqbal Singh):** (a), (b), (d) and (e). A statement giving the required information is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-676/67].

(c) The shor fall is mainly due to the lower priority given by the State Government to housing schemes, vis-a-vis projects like Power, Irrigation, Agriculture etc.

#### Oil Exploration Work at Lakwa

**2582. Shri R. Barua:** Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether after having acquired large areas and having constructed buildings and roads at Lakwa to look after and ensure efficient working of oil exploration, here is a move to shift the offices therefrom to Sibsagar;

(b) if so, whether this is being done after proper and perspective investigation; and

(c) whether Government will review this present move for shifting the offices from Lakwa to Sibsagar?

**The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals and of Planning and Social Welfare (Shri Raghuramaiah):** (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

#### Upgradation of Patna

**2583. Shri Ramavtar Shastri:** Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the city of Poona has been upgraded from B-2 to B-1 Class, though its population has not reached the target of eight lakhs prescribed for this purpose;

(b) whether it is also a fact that the population of four municipalities of the urban area namely Poona Cantonment, Kirkee Cantonment, Dapodi and Chinchwad has been added to

the population of Poona for the purpose of its upgradation;

(c) whether it is also a fact that the population of Patna Municipal Corporation and the population of its four other Municipalities viz. Danapur Nizamah Municipality, Danapur Railway Colony, Danapur Cantonment Board and Khagaul Municipality is more than four lakhs, which is the prescribed limit for upgrading Patna from 'C' to B-2 Class; and

(d) if so, whether Government propose to follow the same analogy in respect of Patna for its upgradation?

**The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai):** (a) and (b). Poona has been upgraded as a 'B-1' Class after taking into account the population of Poona and Kirkee Cantonments (which are contiguous to Poona City Corporation) as also its comparative expensiveness as disclosed by the surveys carried out.

(c) and (d). Government of Bihar have recently added certain areas to the limits of Patna Municipal Corporation. The question whether any change in the classification of Patna is called for as a result of these changes is under examination.

उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जातिम जातियों का कल्याण

2584. श्री सरजू पाण्डेय :  
श्री इतहाक सामन्ती :

क्या समाज कल्याण मंत्री 20 अप्रैल, 1965 के अतारोक्त प्रश्न सख्या 2379 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1961-62 और 1964-65 में उत्तर प्रदेश की तीन सत्याग्रों अर्थात् (एक) ईश्वर सरन आश्रम, इलाहाबाद, (दो) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, और (तीन)

कुमार आश्रम, मेरठ, को दिये गये 8,73,392 रुपए के कुल अनुदानों में से किये गये व्यय की कोई जाच की गई है।

(ख) यदि हा, तो क्या कोई अनियमितताएं पाई गई हैं, और

(ग) इन सस्थाओं ने किन विभिन्न मदों पर धन खर्च किया ?

समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री (भीमती फूलरेणु गुहा) : (क) ईश्वर शरण आश्रम, इलाहाबाद के 1963-64, 1964-65 तथा 1965-66 के वर्षों के लेखों की इस विभाग ने जाच की थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लेखों की जाच सामान्यतया स्थानीय निधि लेखों के परीक्षक द्वारा की जाती है। कुमार आश्रम के संबंध में कोई जाच नहीं की गई है क्योंकि उसे केवल एक साल के लिये महायुक्त अनुदान दी गई थी।

(ख) कुछ तकनीकी भूला को छोड़कर सरकार को अब तक किसी अनियमितता का पता नहीं चला है।

(ग) सूचना इस प्रकार है :—

ईश्वर शरण आश्रम, इलाहाबाद :—  
अस्पृश्यता उन्मूलन के लिये प्रचार।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय — भारतीय प्रशासनिक सेवा इत्यादि की परीक्षाओं में भाग लेने के लिये अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के वास्ते परीक्षा-पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र चलाना।

कुमार आश्रम, मेरठ :—मरदार पटेल भवन के निर्माण, नल-रूप लगवाने तथा फर्नीचर खरीदने के लिए।

गाजीपुर के अफीम कारखाने के कर्मचारियों को उत्पादन बोनस

2585. श्री सरजू पाण्डेय :  
श्री इसहाक साम्भली :

क्या बिल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) के अफीम कारखाने के कर्मचारियों को इस वर्ष उत्पादन बोनस नहीं दिया गया है,

(ख) यदि हा, तो उमक क्या कारण है ;

(ग) क्या यह सच है कि इस कारखाने के अधिकारियों ने कर्मचारियों को उत्पादन बोनस दिये जाने के बारे में अपनी सिफारिशें भेजी हैं, और

(घ) यदि हा, तो इस मामले में सरकार को निर्णय करने में कितना समय लगेगा ?

उप-प्रधान मंत्री तथा बिल मंत्री (श्री मोरारजी वेसाई) : (क) जी, हा। कर्मचारियों को अफीम वर्ष 1965-66 (1-10-1965 से 30-9-1966 तक) का उत्पादन बोनस नहीं दिया गया है।

(ख) कर्मचारियों को उत्पादन पुरस्कार इस लिए नहीं दिया गया कि इनाम की अदायगी के लिए निर्धारित उत्पादन-प्रतिमानों की पूर्ति अफीम वर्ष 1965-66 में नहीं की गयी थी।

(ग) और (घ). कारखाना अधिकारियों ने वर्ष 1965-66 के लिए उत्पादन पुरस्कार देने की सिफारिश नहीं की है। लेकिन गाजीपुर अफीम कर्मचारी संघ ने इसकी अदायगी के बारे में अभ्यावेदन किया था। चूंकि प्रतिमानों की पूर्ति नहीं हुई थी इसलिए उनकी प्रार्थना स्वीकार नहीं की गयी।

अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को आश्रम की राहत

2586. श्री इसहाक साम्भली : क्या बिल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अधिक बच्चों